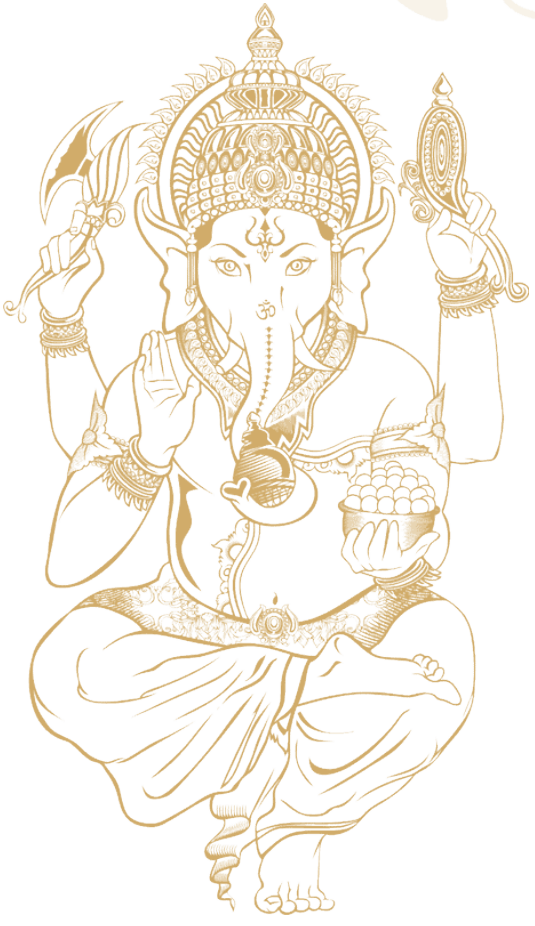

Rahul

Priyanka Sharma

Model: Love-Horoscope

Order No: 121701801

Model: Love-Horoscope

Order No: 121701801 Date: 24/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/06/1992	जन्म तिथि	01/08/1998
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:10:00	जन्म समय	20:00:00 घंटे
घटी 34:30:09	जन्म समय(घटी)	35:48:38 घटी
India	देश	India
Shamli	स्थान	Shamli
29:27:00 उत्तर	अक्षांश	29:27:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:21:56	सूर्योदय	05:40:32
19:23:38	सूर्यास्त	19:13:13
23:45:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:07

धनु	लग्न	कुम्भ
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कुम्भ	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	विशाखा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
3	चरण	3
आयुष्मान	योग	शुक्ल
बव	करण	कौलव
दा-दामोदर	जन्म नामाक्षर	ते-तेजिका
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
सिंह	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 5वर्ष 2मा 24दि		05:26:10	धनु	लग्न	कुंभ	01:03:00	गुरु 7वर्ष 1मा 0दि	
बुध		07:36:43	मिथु	सूर्य	कर्क	15:18:30	बुध	
16/09/2016		28:58:16	कुंभ	चंद्र	तुला	27:25:47	01/09/2024	
16/09/2033		12:02:40	मेष	मंगल	मिथु	23:39:49	01/09/2041	
बुध	13/02/2019	29:26:27	मिथु	बुध व	सिंह	04:20:08	बुध	28/01/2027
केतु	10/02/2020	14:45:32	सिंह	गुरु व	मीन	03:52:45	केतु	25/01/2028
शुक्र	11/12/2022	10:02:47	मिथु	शुक्र	मिथु	21:49:49	शुक्र	25/11/2030
सूर्य	17/10/2023	24:14:06	मक व	शनि	मेष	09:37:05	सूर्य	02/10/2031
चन्द्र	18/03/2025	06:55:21	धनु व	राहु व	सिंह	07:51:36	चन्द्र	02/03/2033
मंगल	15/03/2026	06:55:21	मिथु व	केतु व	कुंभ	07:51:36	मंगल	27/02/2034
राहु	01/10/2028	22:53:06	धनु व	हर्ष व	मक	16:59:56	राहु	16/09/2036
गुरु	07/01/2031	24:16:00	धनु व	नेप व	मक	06:42:02	गुरु	23/12/2038
शनि	16/09/2033	26:46:46	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	11:31:09	शनि	01/09/2041

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:24 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:07

लग्न-चलित

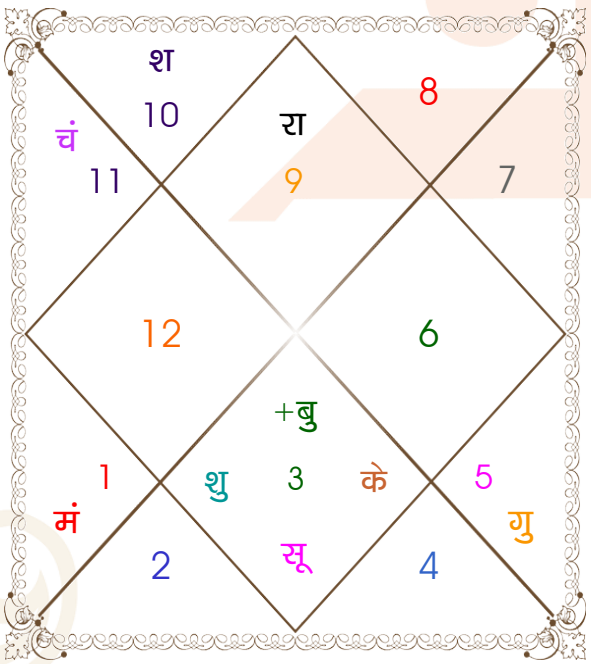

लग्न-चलित

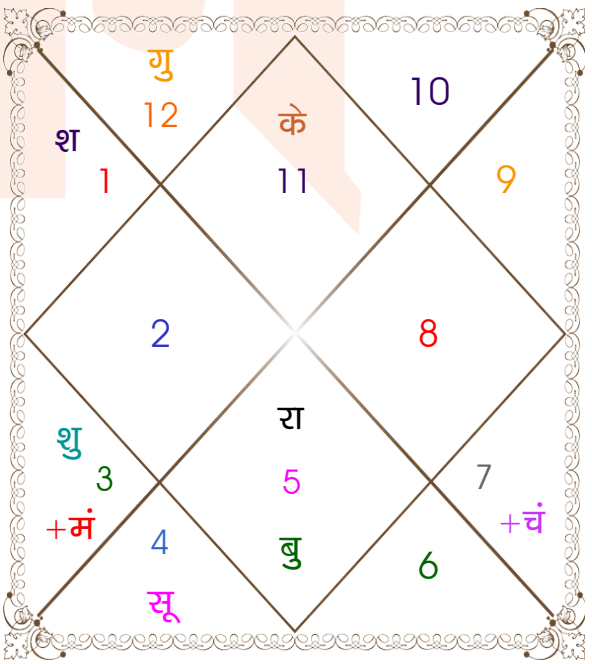

Jay maa kamakhya tantra jyotish Kendra
Shamli, Uttar Pradesh 247776, India
9653182606
chauhansushil679@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

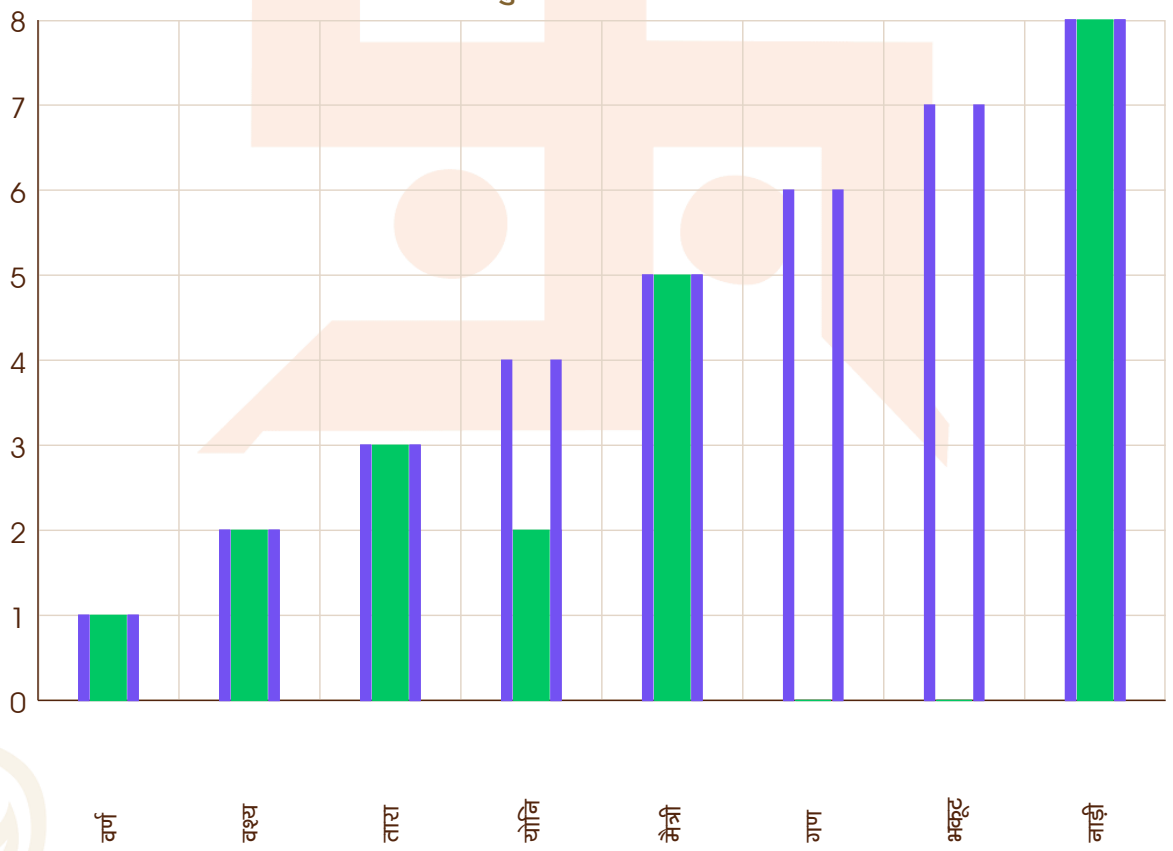

Jay maa kamakhya tantra jyotish Kendra
Shamli, Uttar Pradesh 247776, India
9653182606
chauhansushil679@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

तैनस का वर्ग सर्प है तथा च्तपलंदा ैंतउं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार तैनस और च्तपलंदा ैंतउं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

तैनस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

च्तपलंदा ैंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

तैनस तथा च्तपलंदा ैंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

तीनस का वर्ण शूद्र है तथा च्तपलंदा ैंतउं का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्‌भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

तीनस का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं च्तपलंदा ैंतउं का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। तीनस एवं च्तपलंदा ैंतउं दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्‌भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

तीनस की तारा जन्म तथा च्तपलंदा ैंतउं की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

तीनस की योनि सिंह है तथा च्तपलंदा ैंतउं की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में तैनस एवं च्तपलंदा ॅतिउं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि तैनस एवं च्तपलंदा ॅतिउं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण तैनस एवं च्तपलंदा ॅतिउं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

तैनस का गण मनुष्य तथा च्तपलंदा ॅतिउं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः च्तपलंदा ॅतिउं का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण तैनस एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

तैनस से च्तपलंदा ॅतिउं की राशि नवम भाव में स्थित है तथा च्तपलंदा ॅतिउं से तैनस की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। तैनस की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

तैनस की नाड़ी आद्य है तथा च्तपलंदा ौंतउं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। तैनस की आद्य नाड़ी तथा च्तपलंदा ौंतउं की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

तैनस की जन्मराशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा त्तपलंदा ैंतिउं की राशि भी वायुतत्व युक्त तुला राशि है। अतः इसके प्रभाव से इनमें स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी तथा दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। अतः मिलान उतम रहेगा।

तैनस की राशि का स्वामी शनि तथा त्तपलंदा ैंतिउं की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र हैं। अतः इसके प्रभाव से तैनस और त्तपलंदा ैंतिउं के संबंधों में घनिष्ठता रहेगी तथा प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण का भाव भी विद्यमान होगा। सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा एक सच्चे मित्र की भांति तैनस और त्तपलंदा ैंतिउं परस्पर गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः आत्मिक लगाव में वृद्धि होगी तथा अपनी ओर से किसी को भी कोई कष्ट नहीं होने देंगे जिससे इनका वैवाहिक जीवन सुख एवं शांतिपूर्वक व्यतीत होगा।

तैनस और त्तपलंदा ैंतिउं की राशियां परस्पर नवम तथा पंचम भाव में स्थित हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा इनके मध्य परस्पर अहंकार तथा श्रेष्ठता की भावना उत्पन्न होगी जिससे संबंधों में विवाद तथा तनाव की स्थितियां होंगी तथा एक दूसरे के प्रति उपेक्षा का भाव उत्पन्न होगा। अतः तैनस और त्तपलंदा ैंतिउं उपरोक्त प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें तथा अहंकारी प्रवृति का त्याग कर सकें तो दोनों का दाम्पत्य जीवन सुख एवं शान्ति से व्यतीत हो सकता है।

तैनस और त्तपलंदा ैंतिउं दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं संतुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे जिससे पारिवारिक शान्ति बनी रहेगी।

तैनस और त्तपलंदा ैंतिउं दोनों का वर्ण शूद्र है अतः इनकी कार्य क्षमता समान होगी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से पूर्ण करेंगे। अतः कार्य क्षेत्र में उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

धन

तैनस और त्तपलंदा ैंतिउं का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से तैनस और त्तपलंदा ैंतिउं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

तैनस को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

तैनस की नाड़ी आद्य तथा त्तपलंदां ींतउं की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

तैनस और त्तपलंदां ींतउं का संतति के दृष्टि कोण से मिलान शुभ रहेगा। उनको यथा समय संतति की प्राप्ति होगी। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल ही रहेगा। तैनस और त्तपलंदां ींतउं की संतति में पुत्रों की अधिकता तथा कन्या संतति की न्यूनता रहेगी।

त्तपलंदां ींतउं को प्रसव काल में किंचित समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतः गर्भावस्था में त्तपलंदां ींतउं को अपना पूर्ण ध्यान तथा सुरक्षा रखनी चाहिए तथा समय समय पर डाक्टरी जांच इत्यादि नियमित रूप से करवानी चाहिए। यदि त्तपलंदां ींतउं इस प्रकार से स्वयं का पूर्ण ध्यान रखेंगी तो परेशानियों में न्यूनता आ सकती है जिससे कष्टों में अल्पता आएगी।

तैनस और त्तपलंदां ींतउं के बच्चे व्यवहार कुशल एवं आकर्षक होंगे तथा माता पिता के लिए पूर्ण आज्ञाकारी रहेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं परिश्रम से इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगे। अतः सुदंर सुसंस्कृत एवं बुद्धिमान संतति से गौरवान्वित होकर तैनस और त्तपलंदां ींतउं का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

त्तपलंदां ींतउं के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए त्तपलंदां ींतउं को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी त्तपलंदां ींतउं को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी

तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी च्तपलंदांेीतउं के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार च्तपलंदांेीतउं का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

तैनस के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को तैनस अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी तैनस के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण तैनस के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

लग्न फल

Rahul

आपका जन्म मूल नक्षत्र के द्वितीय चरण में धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदित काल मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ राशि का नवमांश एवं धनु राशि में द्रेष्काण के प्रभाव से ज्योतिषीय आकृति यह स्पष्ट करता है कि आपका संपूर्ण जीवन आरामदायक बीतेगा। यह ज्योतिषीय तथ्यों द्वारा प्रमाणित है।

आप शारीरिक, अर्थिक एवं भोग विलास से युक्त जीवन बिताने के लिए भगवान द्वारा प्रदत्त वरदानों के अनुरूप सुखी रहेंगे। आप स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक जीवन व्यतीत करेंगे। यदि कोई आपको हानि पहुंचाये अथवा पीड़ा पहुंचाये तो निष्कट भाव से उसे परास्त कर देंगे। यथा आप किसी भी विषय में अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त कर देंगे। आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ऐसा वक्तव्य देगे। निश्चयपूर्वक सभी लोग इस प्रवृति को पसंद नहीं करेंगे। अतएव आप अपनी भाषा पर निगरानी रखें।

आप धन प्राप्ति के पश्चात् परम प्रकृति पुरुष अर्थात् ईश्वर एवं धर्म के संबंध में विचार करके आप धर्म एवं दर्शन के प्रति सफलता प्राप्त कर सकेंगे। यह संभाव्य है कि आप अपनी आयु के 27 वें वर्ष अथवा 31 वे वर्ष की आयु में हवा में गिरा फल के समान धन प्राप्त करेंगे। अर्थात् आकस्मिक रूप से धनी हो जाएंगे।

निःसंदेह आप अपने परिवार एवं बच्चों के प्रति तथा उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अच्छी प्रकार चिंतन करेंगे तथा परिवारिक सुख प्राप्ति में अभिरूचि लेंगे। परंतु आप उनके साथ अधिक समय व्यतीत करने में सक्षम नहीं होंगे, क्योंकि आपका अधिक समय यात्रा करने, मार्केटिंग करने, खेलकूद में व्यस्त रहने अथवा बाहरी कार्यक्रम में व्यस्त रहेंगे। तथापि आप अपनी समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होंगे।

आप जब कभी भी किसी कार्य के प्रारंभ करने के हस्ताक्षरित करेंगे। उस कार्य को प्रति उत्पन्नमति से संपादित कर सफल हो जाएंगे। आप अधिक से अधिक लोगों द्वारा आनंद प्राप्त करेंगे। आपमें अंतःप्रज्ञा की शक्ति निहित है। आपकी अधिकाधिक भविष्यवाणी की आकृति अनुमानित सच्चाई पर विचारणीय होता है। आप इस अच्छे गुण को अच्छी प्रकार कार्यान्वित करने के गुण आपमें विद्यमान है। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सुगमतापूर्वक अपेक्षित एवं अनुकूल संपादन करेंगे।

आप सदैव ही कुछ न कुछ कार्य करते रहेंगे। फिर भी सभी को कुछ न कुछ अभावग्रस्त रहना ही पड़ेगा। आप अपने किसी भी प्रकार की समस्या को अच्छी प्रकार संभालने के लिए समर्थ होंगे। यद्यपि आप प्रायः सभी दृष्टिकोण से आशावान रहेंगे। परंतु आपका स्वास्थ्य किसी न किसी विंदु पर चिन्ताजनक होगा। आप निश्चय पूर्वक अच्छे स्वास्थ्य का आनन्द अवश्य ही प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसी आशंका है कि आप गठिया वायु रोग, जुकाम, सर्दी एवं कफ जनित रोग तथा हड्डी रोग से संबंधित समस्याएं प्रभावित कर सकती है।

आपके लिए रंगों में सफेद क्रीम रंग, नीला, सूआपंखी, नारंगी एवं हरा रंग आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली है। परंतु रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है, जबकि अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

परंतु सोमवार एवं मंगलवार का दिन आपके हित सर्वथा त्याजनीय है।

Priyanka Sharma

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर तुला राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित आकृति से ऐसा सूचित हो रहा है कि आप एक सैद्धांतिक महिला हैं। आपका लक्ष्य सर्वोतम जीवन की प्राप्ति है न कि किसी भी प्रकार से धन संचय करना। आप धन को मात्र आवश्यकता की पूर्ति का साध्य समझती हैं। आप धन को संसार का अस्तित्व समझती हैं। परंतु ऐसा संदेह है कि आप धन की खोज में व्यस्त नहीं रहती। धन तो आपके पास निश्चित रूप से आएगा।

संप्रति आप चाहे जैसे भी हो सम्पत्ति उपार्जन में संलग्न रहने को कोई अधिक महत्व नहीं देती हैं। आप अपने जीवन में संतोषप्रद समय व्यतीत करेंगी। आपकी स्पष्टवादिता एक नाटकीय संबंध स्थापित करेगी। तथापि आप अपने आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए वास्तविक लाभांश प्राप्त करने हेतु समर्थ हैं। आप अपने एवं अपने पारिवारिक आवश्यक आवश्यकता हेतु उपयुक्त साधन प्राप्त कर लेंगी।

आप कठिन श्रम साध्य की साधना से भिन्न हैं तथा यह जानती हैं कि अपनी उन्नति हेतु अपने मालिक को किस प्रकार प्रसन्न एवं अनुकूल रखा जाए। आप धन्नादि से संपन्न एवं आपकी स्मरण शक्ति विशाल है तथा आप शुद्ध चित्त से किसी भी विषय पर विचार करती हैं। आप में ऐसी संगठनात्मक क्षमता विद्यमान हो सकती है कि किसी भी बड़े कार्य को दिन प्रतिदिन संचालन हेतु कैसा नेतृत्व चाहिए। तथापि आप ऊपर से आधुनिक मेधावी हैं। आप गंभीर रूप से मूल विचार को सुगमता पूर्वक कार्यान्वित करने के लिए पर्याप्त हैं।

इस संदर्भ में ऐसा ज्ञात होता है कि आप अभाग्यता से युक्त होकर भी भाग्यशाली हैं। अभाग्यता की भूमिका आपके स्वास्थ्य से युक्त है। इसमें संदेह नहीं है कि आपका जीवन उत्तम, सुखद एवं आनंददायक होगा। परंतु आपकी शक्ति सीमित रोगादि के कारण क्षीण हो जाएगी। इस प्रकार निःसंदेह ऐसा लगता है कि आपको किसी भी रोग से निरोग होने में कुछ समय लग जाएगा। इसलिए आपको इस विंदु पर विचार करना चाहिए कि इस प्रकार के कार्य-कलाप का परित्याग कर देना चाहिए। जिसके प्रभाव से आप रोगग्रस्त हो जाएं तथा शीघ्रता पूर्वक आपको चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए।

कुंभ राशीय प्रभाव से ऐसा संदेह है कि आपको छूआ-छूत अथवा विषाणुयुक्त रोग हो सकता है। ऐसा हो सकता है कि गले का रोग, दांत या आंखों में दिक्कते आ सकती हैं। आपको अपने जीवन की 15 वें 23 वें एवं 29 वें वर्ष में इसके संबंध में ध्यान देकर स्वास्थ्य रक्षा हेतु सतर्क रहना चाहिए।

आप धार्मिक प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि सांसारिक सुखों से युक्त रहकर सुखद जीवन का विस्तार करेंगी। बल्कि आप अपने परिवार के साथ संयुक्त रह कर भी आप स्वतः धार्मिक कार्यों से संलग्न रहेंगी। परंतु वास्तव में आप मानवीय भावनाओं एवं समर्पित भाव से अपने पति एवं अपनी संतान से संबंधित रहेंगी।

आप अपनी प्रतिभा एवं प्रवृति के अनुसार संबंधित कार्य-व्यवसाय का चयन कर धन प्राप्ति करेंगी। अतएव आप कंपनी के कार्यकारी अधिकारी पद, वैज्ञानिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, प्रोफेसर एवं शैक्षणिक सलाहकार, विधि एवं धन संबंधी कार्य-कलाप आपके लिए लाभदायक होगा। आयात-निर्यात् कार्य-व्यवसाय भी सर्वथा आपके लिए अनुकूल हो सकता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

अंकों में आपके हित अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का त्याग करना आपके लिए उत्तम है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करें एवं आपके लिए सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग उत्तम एवं संतोषप्रदायक है।

अंक ज्योतिष फल

Rahul

आपका जन्म दिनांक 22 है। दो एवं दो के योग से आपका मूलांक 4 होता है। मूलांक चार का स्वामी भारतीय मत से राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल हेाता है। अंक दो का स्वामी चन्द्र है। चन्द्र एवं राहु या हर्षल का प्रभाव आपके जीवन में निरन्तर चलता रहेगा।

मूलांक स्वामी हर्षल या राहु के प्रभाव से आपकी प्रगति यकायक होगी। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कई बार आपको अचानक सफलताएं प्राप्त होंगी। विज्ञान के क्षेत्र में यह सफलता देगा एवं आपका दृष्टिकोण रूढ़वादी न होते हुये वैज्ञानिक रहेगा। जीवन आपका संषर्घशील रहेगा एवं आपकी सोच जमाने से अलग रहेगी। इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे। आप रीतियों में परिवर्तन पसन्द करेंगे। धन संग्रह की अपेक्षा नाम, यश आपको अधिक प्राप्त होगा। सामाजिक परिवर्तन के आप हिमायती होंगे एवं सुधारवादी विचारधारा के कारण आप सामाजिक प्रथाओं में परिवर्तन कर अच्छी ख्याति अर्जित करेंगे।

चन्द्र प्रभाव से आप में कल्पनाशीलता अच्छी रहेगी एवं शारीरिक कार्यों की अपेक्षा मानसिक कार्य के क्षेत्र को आप अधिक पसन्द करेंगे। मानसिक कार्यों में आपको अच्छी दक्षता प्राप्त होगी। चन्द्रमा का स्वभाव घटना बढ़ना है। अतः आपके जीवन में भी काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। कभी तो आप एकदम उच्चता का शिखर छू लेंगे और कभी एकदम रसातल की स्थिति को निर्मित करेंगे। आपके कार्य करने के ढ़ंग में जल्दबाजी रहेगी। जिससे कभी-कभी आपको भारी हानि उठानी पड़ेगी।

आपके लिये अच्छा यही रहेगा कि आप अपनी योजनाओं पर धैर्य के साथ विचार करें एवं सोच समझकर प्रारम्भ करें। इसमें थोड़ा विलम्ब अवश्य होगा लेकिन सफलता के अवसर पूरे रहेंगे। जबकि जल्दबाजी में असफलता निहित रहेगी। आपको शीतरोग, रक्तदोष, कभी-कभी परेशान कर सकते हैं।

Priyanka Sharma

आपका जन्म दिनांक एक होने से आपका मूलांक एक होता है। मूलांक एक के प्रभाववश आप एक स्थिर विचारधारा की महिला होंगी। अपने निश्चय पर दृढ़ रहेंगी। जीवन में आप जब भी किसी को वचन इत्यादि देंगी उन्हें निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगी। इच्छा शक्ति आपकी दृढ़ रहेगी एवं आप अपने मन में जो भी विचार बना लेंगी उनका पालन करने की निरंतर कोशिश करेंगी। आपके प्रेम संबंधों में, मित्रता के संबंधों में स्थायित्व रहेगा तथा लंम्बें समय तक आपके संबंध मधुर एवं स्थायी बनें रहेंगे। यदि किसी कारणवश आपका किसी से विवाद या शत्रुता होती है तो ऐसी स्थिति में शत्रु या विवादित व्यक्ति से भी आपका मन मुटाव दीर्घकाल तक बना रहेगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की होने से आप पराधीन रहकर कार्य

करने में असुविधा महसूस करेंगी। आप किसी के अनुशासन में कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक पसंद करेंगी। आपकी निरंतर कोशिश एवं महत्वाकांक्षा रहेगी कि आप जो भी कार्य करें वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो, उस कार्य में किसी का भी हस्तक्षेप बीच में आपको मंजूर नहीं होगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह होने के कारण सूर्य से संबंधित गुण कमोवेश मात्रा में आपके अंदर मौजूद रहेंगे। इसके प्रभावश दूसरों का उपकार, उपचार करने की प्रवृत्ति आपके अंदर प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आप सूर्य के समान ही प्रकाशित होना पसंद करेंगी। सामाजिक संगठनों में मुखिया का पद पाने की आपकी चाहत बनी रहेगी। जोकि आप अपनी मेहनत एवं लगन से प्राप्त करेंगी।

Rahul

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

Priyanka Sharma

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।